

मुरैना में कांठोसियों को किया गिरफ्तार

♦जन आशीर्वाद यात्रा से ठीक पहले कार्रवाई

डिटैक्टिव ग्रुप रिपोर्टें

मुरैना. मुरैना में भाजपा की जन आशीर्वाद यात्रा से ठीक पहले पुलिस ने कांठोसियों को गिरफ्तार कर दिवसीय धरने में बंद कर दिया है। यह कांठोसी मुखरामजी को बताने झुंड़े दिखाने की योजना बना रहे थे। इसकी खबर जैसे ही पुलिस को लगी, पुलिस ने टीएफ शुभा शहर जिला अध्यक्ष के मकान से कांठोसियों को जबरन उड़ाया और ले जाकर धरने में बंद कर दिया। इस बीच पुलिस और कांठोसियों के बीच विवाद की स्थिति उत्पन्न हो गई। पुलिस ने भी कांठोसियों पर बल प्रयोग किया। घटना शुक्रवार शाम की है।

जता दे कि भाजपा की जन आशीर्वाद यात्रा मुरैना में आ रही है। रात को यात्रा मुरैना में प्रवेश करेगी, उसे ठीक पहले कांठोसी सौम्य को काले झुंड़े दिखाने की योजना बना रहे थे। यह योजना कांठोस के शहर जिला अध्यक्ष टीएफ रामों के बखार निवास निवास पर बनाई जा रही थी। ठीक उसी समय पुलिस को खबर लगा गई और पुलिस ने पता चला पर धावा बोलकर कांठोसियों को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने कांठोसियों को गिरफ्तार कर लिया

कांठोस के प्रमुख विना अग्रथ मरुहाज निरं तोषर ने बताया है कि पुलिस ने कांठोसियों की निगरानी के दौरान शहर जिला अध्यक्ष टीएफ रामों के मकान से तोड़ने में भी की है तब कुर्सेवों को तोड़ दिया है।

कांठोसियों से डरी भाजपा

इस मौके पर प्रमुख विना अग्रथ मरुहाज निरं तोषर ने बताया कि भाजपा कांठोसियों से डरी हुई है इसके कारण उनमें पहले ही पुलिस भेज कर उनका निगरानी कराया गया। भाजपा जता पर्यटकों को इस बात का डर है कि मुरैना में भाजपा जन आशीर्वाद यात्रा का कहीं विरोध न हो जाए।

मामी ने कर दी देवर की हत्या

डिटैक्टिव ग्रुप रिपोर्टें

सौराष्ट्र। राज कोस में गुरुवार को भाभी ने सुश्री पोखर देवर को हत्या कर दी। कोसवासों बना पुलिस ने महिला को हिरासत में लिया है। थाना प्रभारी विवेकस चौधरी ने बताया कि रात में हत्या वाले जिन्दा (30) को हत्या की सूचना मिली थी। आरंभिक जांच में पता चला है कि जिन्दा के परिवार में तलाश से विवाह हो रहा था। सुबह उसकी हत्या हो गई। आरोप उसकी भाभी लक्ष्मी बाई पर है।

अरं प्रदेश की प्रगति की यात्रा है। जन आशीर्वाद यात्रा कर्म निराला रहे हैं, यह प्रश्न आरंभ और समाप्त समझे है। यात्रा कर्म निराला समझते हैं, जिन्दा निराला, प्रगति की ओर, उन्नति की ओर। एक बल लेना है, जिन्दा मुझे बंधक करके जमान करनी है।



मुरै 2018 का वह मंजर याद है। सुन लें जनैशरी जी, एक यजन पर तैयार किया था, तब भी लगे अग्रथ थे, पूर्व प्रमुखमंत्री कमलनाथ। उनमें दिवंगत निरं, हमारे नेता ज्योतिरदित्य सिंघिया भी थे। तो 2018 का राज याद करी महाराज, हमारे नेता

निरंराज था। कांठोस ने यजन पर तैयार किया था। अनदाताओं को प्रार्थनकाल देने की बात की। 2018 में सरकार बनने तो दो सप्ताह का कर्म थाक कर देना। कोसवासों भी धरने। काव्यकार भी इस उल्लेख 21 से बहककर 51 हजार कर देना, सिंकीन जय तम कमलनाथ

के पास ज्योतिरदित्य सिंघिया के अनदाताओं के विरवास की बात को लेकर, कोसवासों भरो को लेकर मत ले का-पस नहीं है। एक सलाह मिले पाया, तब भी बचत पूरा नहीं किया। समय 5 करोड़ आशीर्वाद यात्रा शुक्रवार से बुधवार तक के लिए रखा जाई।

डिटैक्टिव ग्रुप रिपोर्टें

सतर्क रहें-सजग रहें अभियान

www.dgr.co.in | www.detectivegroupreport.com

वर्ष: 9 अंक: 64

इंटर, शनिवार 09 सितंबर, 2023

पेज: 8, मूल्य: 2 रुपए

जी-20 का आगाज

...मोदी ने सुनक को गले लगाया, बाइडेन को कोणार्क चक्र के बारे में बताया



मिलने उनके सरकारी आवास पर पहुंचे।

वे राष्ट्रप्राथम्य नहीं आए

जी 20 की इस वेबद सार्वभूमि में कुछ आम देवों के राष्ट्रपति शामिल नहीं हो रहे हैं। इनमें चीन के राष्ट्रपति शी जिन्पिंग, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन शामिल हैं। इसके अलावा स्पेन के संघेज भी इस समिति में शामिल नहीं हो सके। उन्हें कोसवासों ज्योतिरदित्य पाया गया है।

रूस-यूक्रेन युद्ध पर दोनों पक्षों में सहमति पर सौम्य

पिछले जी-20 समिति में रूस-यूक्रेन युद्ध को

लेकर सार्वभूमि देवों के बीच सहमति नहीं बन पाई थी। तब रूस और चीन ने अपने आप को युद्ध के बारे में की गई टिप्पणियों से अलग कर लिया था। एजेंसी के मुताबिक यही चुनौती निराला भारत के सामने थी है। न्यूज एजेंसी कि रिपोर्ट्स के मुताबिक सार्वभूमि नहीं बन पाई। वहीं, जी-20 के घोषणा पत्र में भारत के मुख्य मुद्दों को शामिल किया जा रहा है। कर्ज में फंसे देवों को मदद के लिए जी-20 देना 5% योदान देने पर सहमति दे रहे हैं। जी-20 की पिछली बैठक में इन देवों ने इस बारे में 3900 से अधिक प्रतिक्रियाएं की थी, उनमें से लगभग 67% तो पूरे हो पाईं। आर्थिक अंतराष्ट्रीय को एक दूसरे के समुद्र करने पर भी सहमति होती दिख रही है। कानूनी दस्तावेज को अंतिम रूप देना।

सिलावट आमसभा में हुए शामिल:बोले-

2018 में सिंधिया के साथ कमलनाथ के पास पहुंचा तो उन्होंने कह दिया मेरे पास पैसे नहीं

डिटैक्टिव ग्रुप रिपोर्टें

बुधवार। भाजपा की जन आशीर्वाद यात्रा के शहर निराला में आशीर्वाद आमसभा में भाजपा नेता उदें ने यात्रा का समर्थन की तुलसीधर सिलावट ने कांठोस छोड़ने की बात कही। उन्होंने कहा- वह बुधवार नहीं निराला

अरं प्रदेश की प्रगति की यात्रा है। जन आशीर्वाद यात्रा कर्म निराला रहे हैं, यह प्रश्न आरंभ और समाप्त समझे है। यात्रा कर्म निराला समझते हैं, जिन्दा निराला, प्रगति की ओर, उन्नति की ओर। एक बल लेना है, जिन्दा मुझे बंधक करके जमान करनी है।



मुरै 2018 का वह मंजर याद है। सुन लें जनैशरी जी, एक यजन पर तैयार किया था, तब भी लगे अग्रथ थे, पूर्व प्रमुखमंत्री कमलनाथ। उनमें दिवंगत निरं, हमारे नेता ज्योतिरदित्य सिंघिया भी थे। तो 2018 का राज याद करी महाराज, हमारे नेता

निरंराज था। कांठोस ने यजन पर तैयार किया था। अनदाताओं को प्रार्थनकाल देने की बात की। 2018 में सरकार बनने तो दो सप्ताह का कर्म थाक कर देना। कोसवासों भी धरने। काव्यकार भी इस उल्लेख 21 से बहककर 51 हजार कर देना, सिंकीन जय तम कमलनाथ

के पास ज्योतिरदित्य सिंघिया के अनदाताओं के विरवास की बात को लेकर, कोसवासों भरो को लेकर मत ले का-पस नहीं है। एक सलाह मिले पाया, तब भी बचत पूरा नहीं किया। समय 5 करोड़ आशीर्वाद यात्रा शुक्रवार से बुधवार तक के लिए रखा जाई।

आउटसोर्स सफाईकर्मियों ने संभाली स्वच्छता की कमान, जनप्रतिनिधियों ने बंटाय़ा हाथ

डिटिविव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। शनिवार को शहर को साफ रखने की जिम्मेदारी नगर निगम में काम कर रहे आउटसोर्स के रस्काई कर्मियों और नगरियों के हाथ में रही। नगर निगम में नियुक्त निगमित और दैनिक वेतनभोगी रस्काईकर्मों अंकवारा पर रहे। वर्ष में एक मास दिन होता है जब सभी रस्काईकर्मों एक साथ छुट्टी पर रहते हैं। योगनवम्बे के अगले दिन रस्काई कर्मियों को विशेष अंकवारा

दिया जाता है।

महापौर पुष्पमित्र भण्ण और निगमप्रमुख हरिका सिंघ ने रस्काई कर्मियों को योगनवम्बे की शुभकामना देते हुए नगरियों से अपील की कि इंदौर शहर को साफ बनाने के लिए रस्काई कर्मियों के सम्मान में हर इंदौरी मैदान उतारे और अपनी नगी, मोटपने, बार्ड,ट्रॉन,शेज में स्वच्छता माला जनप्रतिनिधी रस्काई अभियान में सम्मिलित होकर जनभगीदारी से स्वच्छता अभियान



को रस्काई बनवा। स्वच्छता में छत बर से जंहर बन इंदौर में निगमित रस्काईकर्मियों की छुट्टी के बीच शहर को स्वच्छ रखने का सहीरा देने के लिए जनजीविनिधि भी सहाक पर उठी। महापौर पुष्पमित्र भण्ण, निगमक आकरा विजयपरवीण और निगमप्रमुख हरिका सिंघ ने राजबादा पर छाह धाम कर सविकसिक रूप से रस्काई की। इन्के साथ शहर में पुलिस और सेना में भती की ट्रेनिंग ले रहे दुकाओं ने भी

राजबादा क्षेत्र को सुरा। महापौर पुष्पमित्र भण्ण ने शहरसरिसिं को इंदौर शहर को स्वच्छ रखने की शाय दिना। इस बीच करीब 700 आउटसोर्स कर्मचारी और निगम के कचरा सारन अलग-अलग क्षेत्रों में जाकर कचरा साक करते दिरे।अभिसकारियों और महापौर के जाने के बाद स्वच्छताकर्मों फिर से राजबादा क्षेत्र में पहुँचे और सड़कों को रस्काई की।



HOLD YOUR
PARTNER'S
HAND
WITH
CONFIDENCE

know them inside out with
the help of Detective

महिलाओं ने युवक से की अमानवीयता गूंह पर चपलें मारीं, जूतों की माला पहनाकर गांव में घुमाया

जुगलकिशोर मंदिर में प्लास्टिक की महारानी का हंगामा

♦ पुलिस ने किया गिरफ्तार

डिजिटल वार्ता रिपोर्ट
बिहारवासी। बिहारवासी में महिलाओं ने छत्ती पर बैठाकर एक आदिवासी युवक को पेशान किया। अक्सर और और गंध पर चपलें मारीं। जूतों-पहनानों की माला पहनाकर उसे गांव में घुमाया। फिर उसे गांव में उसकी ओर से शिकायत कर दी। पुलिस ने युवक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। युवक जेल में बंद है। घटना जिले के आदमी गांव नारायणपुर में 4 सितंबर की है। इसका सीबीओ सामने आया है।

6 सितंबर को बीहड़ो आने के बाद कलेक्टर मनोज कुमार ने गांव के निरुध्द पीता की युवक को बताना का आग्रह है कि युवक को

बहन बोली - महिलाएं कह रही थीं इसे बालक पिलाना है

युवक की बहन या बहन है कि गांव की महिलाओं और जूतों ने बंध के साथ फले तो मारपीट की। इनके बाद जूतों-पहनानों की माला पहनाकर गांव में घुमाया। उसे जेल पर रोक दिया। महिलाएं बोस में पेशान करता लंबे थीं। उन्होंने कई और गंध पर चपलें मारीं। जूतों-पहनानों की माला पहनाकर उसे गांव में घुमाया। फिर उसे गांव में उसकी ओर से शिकायत कर दी। पुलिस ने युवक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। युवक जेल में बंद है। घटना जिले के आदमी गांव नारायणपुर में 4 सितंबर की है। इसका सीबीओ सामने आया है।

महिलाओं के कापड़े छोरी लोके के कठोर आग्रह का वार्ता हुआ

युवक पर गांवों में जो अट्टोक होने का शक थी है। इस बात को लेकर हमने सहायता से बत की। वे हमारे से कहने नहीं आते। उन्होंने बताया कि किसी से से तीन मिनट के साथ में कापड़े खींची हो रहे हैं। इससे वे शिकायत करने लगे महिलाओं और कपड़े के कापड़े खींची जा रहे हैं। गांव के लोग भी लज्ज में है। युवक बीटी करी लोफ कायदा था।

ने वे अमानवीयता जूतों-पहनानों के शक में की है। आदिवासी युवक

समय पर था। उसकी भी अपने भंड के गांध भी थीं। मैं अकेला था। इसे फिर शक को संभालते आया। पूरा घर पर लिया। वे छेद के बने में घुसने लगे। उनसे कहा कि वो घर पर नहीं है, कहाओ क्या बात हो ? उन्होंने घर के अंदर झांकाकर देखा। बेतन नहीं मिलता तो रोत था।

4 सितंबर को मेरा चेहरा समझने से लौटता तो गांव के लोगों ने उसे घर लिया। मैंने कहा भी कि बैठाकर बात कर लेते हैं। वे नहीं माने। उनके चेहरे पर काहिल पीती, पीटा और पूरे लोके में जूतों-पहनानों पहनाकर घुमाया। गांव के मुकिया और मैंने छेद को पीटा रोते लोगों को बताना लगाया, लेकिन वे नहीं माने, उनसे पीटते रहे, मैं फूल नहीं कर पाया।

डिजिटल वार्ता रिपोर्ट
पला। पुलिसवादी के जीवद जुगलकिशोर मंदिर में पूजा राखनेवाले की प्लास्टिक कीटोरीयों ने कृष्ण जन्मोत्सव पर हंगामा कर दिया। कृष्ण जन्मोत्सव रात 12 बजे शुरू हुआ। इस दौरान किशोरीयों देवी आरती के बीच से उठीं और गर्भगृह में जाकर पुजारी से चंकर बटुवा लिया। फिर भावों की तरफ देखकर पलत तकसे से चंकर बटुवा लीं। अमधत भी। श्रद्धालुओं ने उनको गर्भगृह से बाहर करने की आवाजें लगाईं। पुजारी और वहां मौजूद लोगों ने किशोरीयों देवी को गर्भगृह से बाहर करने की कोशिश की। इस दौरान

वह गिर गईं। उन्हें पुलिस को मार के बाहरकर लाया किता बचाया। उन्होंने पुलिस से भी अपवाद की। पुलिस में हंगामे के कारण पुजारी ने आरती नहीं की गई थी। भवनों में आगही आक्रोश है। उन्होंने पूजा के इतिहास में इसे सभसे निन्दित घटना बताया है। मंदिर स्थिति के उपन्यक्त संबंध कुशल शरीरों ने पुलिस को बताना कि प्लास्टिक कीटोरीयों के नशे में हैं। पूजा कोलाहली पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। महारानी का कानून है कि मंदिर के प्लास्टिक और पुजारी ने उन्हे अपवाद लगाई है। पूजा परिवार के अधिकारों का नशे किया जा रहा है।

Think it...!

You can only ride one horse at a time

If you have too much to do, remember that you have enough time and that you really can only do one thing at a time. Remember too that addicts love adrenaline. When things are going well, we tend to increase our risky behaviors which cause adrenaline rushes. Adrenaline gives us the emotional rush that compensates for our naturally imbalanced level of serotonin and beta endorphins in our brain. Adrenaline acts like alcohol. The only problem is that adrenaline provoking behaviors have their own form of hangover: the feeling of being overwhelmed from unnecessary risk taking and doing too many things at once. We then feel we can't keep up as fast. 'I just can't face it all,' the overwhelmed alcoholic says. This feeling can lead to relapse.

TO DO

Remind yourself, that you can only ride one horse at a time. It will take away the adrenaline hangover and keep you from being overwhelmed. Cut down on too many adrenaline charging activities and keep an even keel.

गर्भगृह में दर्शन नहीं मिलने से भिंती बाबा हुए नाराज

बाबा महाराज को बदलने की मांग

डिजिटल वार्ता रिपोर्ट
उज्जैन। कांसि से जुड़े भिंती बाबा महाराज मंदिर में गर्भगृह से दर्शन नहीं मिलने से नाराज होकर भगवान महाकाल के सम्भने जूते से पुज्यमंजी को बदलने की मांग करने लगे। उन्होंने बीबीयों सरकार पर लोके के विचलन बटुते बरकान में कन्या का आग्रह लगाया और कन्या के रूप में अपने भगवानमंजी को स्वीकार करने की मांग करना है। दरिजले मुझे रोक दिया था। उनसे कहा है कि प्रदेश को कर्नाटक सरकार में भीरी का दर्शन प्रान भिंती बाबा गुजरात को माहकाल के मंदिर दर्शन के लिए पुंने,रहा वो करीब 10 फिट तक नंदी हानने में जाने का दर्शन करते रहे। इसके बाद उन्हें गर्भगृह में जाने से रोक दिया था,जिससे वे नाराज हो गए और नंदी हॉल में माहकाल के दर्शन करते हुए जोर जोर से सीएम शिवाराजसिंह को टटने की प्रार्थना करने लगे।

मंरी पटले के भटाघाटार हो रहे उजागर - दोगेव

हरदा। कांसि से पुं विधायक रहे डॉ रमेशचंदेशर दोगेव ने प्रदेश के कृषि मंत्री कानन पटेल मध्यदेश के मंत्री हो चुके हैं। कृषि विभाग से यह संकेतित इन्होंने अपनी कंपनी बना ली है इन्होंने मंत्री बनने के बाद उनसे कंपनी के द्वारा सरकार में रखकर भटाघाटार किया, जिसमें इन्होंने द्वारा उन्होंने दो नंबर के पैसों को एक नंबर में किया इन्होंने मंत्री बनने के बाद कंपनीयों बना और उनका बंध होने की कारण पर है इनके परिवारवादी के नाम पर कर्ने कंपनीयों की जांच लेना और अलायन्स है।

पटल सूची, किसान ले लगई फांली

मंदिर। मंदिर में एक किसान ने अपने खेत में फांली लगाकर बंध में। फांलीयों का बदनाम है कि नाराज होने के बादने उनको बंध में लगी सोख्येकी भी फलन लगाकर सूखी जा रही थी। उस पर एक लाख रुपया का जुर्माना था। उसे लगी साल और दो बन्धी की लगी करनी है। इससे परेशान होकर अपने बुक्यूली घर ली। किसान जिले महाराजधर शांति शोध के बंदीत गांव का है। किसान जमींदार धनगर (45) महाराज की रीत करने खेत पर अलेत गांव का।

जन्माष्टमी की रात मंदिर पर गिरी आकाशीय बिजली शिक्षर में छेद हुआ, मूर्ति ने भी गूंह फेरा

डिजिटल वार्ता रिपोर्ट
राजगढ़। राजगढ़ जिले के माधवपुर से 4 किलोमीटर दूर ग्राम हरदीनग में केशव मंदिर का श्रौंग मंदिर है। यहां गुजरात की लोक जन्माष्टमी उत्सव इनाम रहे थे। मंदिर में 75-100 लोग के करीब थे। रात्रि में 11-15 बजे करीब मंदिर पर आकाशीय बिजली गिरी, जिससे शिक्षर पर लगी ध्वजा जल गई। करशर और माहक के टूटकर गिर गए।

धमाके की आवाज से सारा मंदिर के शिक्षर में बंध हो गया। छत्र में दरारे पड़ गईं और मंदिर की गैलरी का हिस्सा भी गिर गया। ध्वजा टूटने के लिए शिक्षर पर लगी जंजीर को फटाकर सीने गिर गईं। आकाशीय बिजली की गूंह बंध

जिलेकीमंदिर तक लोगों ने घुसी। हालांकि इससे कोई पतु या जनहानि नहीं हुई। मंदिर के अंदर शिक्षर श्रौंग दखार को मुंठ को भी कोई नुकसान नहीं हुआ। हालांकि बिजली गिरने से मंदिर जंजर हो गया है। लोगों ने इसे भगवान का चमकाकर माना।

लोग बोले - हमें भगवान ने ही बचाया

ग्राम हरदीनग में सुबह से ही जन्माष्टमी की भूम थी। रात्रि में मंदिर के अंदर 75-100 लोग के करीब थे। रात्रि में 11-15 बजे करीब मंदिर पर आकाशीय बिजली गिरी, जिससे शिक्षर पर लगी ध्वजा जल गई। करशर और माहक के टूटकर गिर गए।

DA, Barwani District

uti
UTI Mutual Fund

Chief Life Insurance Advisor

LIC
Bio Products - Distributor

Green Planet

WALTH CLINIC

MAHENDRA PALLIV, MD
87708 75779
AYUSHY PALLIV, MD
90394 47345

OFFICE NO. 221, THE ZODIAC Mall, PLIYANA SQUARE, INDORE

संपादकीय

आसियान का उद्देश्य

आसियान में भारत की महत्वपूर्ण होती हुई भूमिका एक तरह से चीन, रूस और अमेरिका जैसे देशों के लिए संकेत भी है कि वह बाहरी बाजार के लिए उन पर निर्भर नहीं रहेगा। मगर आसियान का उद्देश्य आर्थिक महाशक्तियों को इस तरह चुनौती देना नहीं, बल्कि उन्नत राष्ट्रों के साथ रिश्तों को मजबूत बनाना और शांतिपूर्ण ढंग से मतभेदों को दूर करना है। आसियान के साथ भारत का संबंध पुरव के साथ मिल कर काम करने और आर्थिक, सामाजिक तथा सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत बनाने के संकल्प से जुड़ा हुआ है। दरअसल, विकसित कहे जाने वाले देश जिस तरह दुनिया पर अपना आर्थिक एकाधिकार जमाने की रणनीति बनाते रहे हैं, उसमें विकासशील और अविकसित देशों की क्षेत्रीय पहचान पर भी संकेत गहराता गया है। ऐसे में दक्षिण पूर्व एशिया के देशों ने अपनी आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक पहचान को सुरक्षित रखने और एकजुटता कायम करने के मकसद से यह समझना बनाया था। शीतयुद्ध समाप्त होने के बाद इसके सदस्यों की संख्या निरंतर बढ़ती हुई और अब वे देश व्यापक दुर्लभ संसाधनों को सुरक्षित रखने में सक्षम हो चुके हैं। आसियान के साथ भारत का जुड़ाव न केवल व्यापारिक मकसद से, बल्कि पृथिवी में संतुलन कायम करने के लिए भी महत्वपूर्ण है। आसियान और जी20 में भारत की विशेषता कई मामलों में निष्पक्ष है। ऐसा इसलिए भी कि दक्षिण एशिया में भारत ही एक ऐसा देश है, जो विकासशील और विकसित देशों के बीच मजबूत संतु का काम करता है। हालांकि आसियान के पूर्वी समूह में चीन और रूस के भी जुड़ाव है, मगर जो भूमिका भारत निभा पाता है, वह इन दो देशों से अपेक्षित नहीं है। इसके दस मूल सदस्य देशों इंडोनेशिया, मलेशिया, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड, ब्रुनई, वियतनाम, लाओस, म्यांमार और कंबोडिया भी आर्थिक महाशक्तियों का वे देशों ही दबाव महसूस करते रहे हैं, जैसा कि भारत पर वे बनाते का प्रयास करते हैं। भारत के साथ आसियान देशों की निकटता इसलिए भी है कि इनका आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक ताना-बाना काफी घनिष्ठ है और भारत न केवल उनकी व्यापारिक गतिविधियों, बल्कि क्षेत्रीय अस्थिरता को भी पोंसने में मदद करता रहा है।

स्वामी विवेकानंद की प्रेरक कहानी

घमंड कभी न करने का ज्ञान

तो बात उस समय की है, जब स्वामी विवेकानंद अपने लोकप्रिय शिकागो धर्म सम्मेलन के भाषण के बाद भारत वापस आ गये थे। अब उनकी चर्चा विश्व के हर देश में हो रही थी। सब लोग उन्हें जानने लगे थे।



कठिन कार्य था। मैंने बीस सालों को कठिन उपवास और साधना के बाद यह महाान शक्ति प्राप्त की है।

साधु का यह बताने का अंदाज बहुत ही अक्षर्य था।

यह देख कर स्वामी जी बहुत ही शान्त स्वर में बोले, आपने अपनी विनम्रता के बीस सालों एतरी शिवा को रोकने में कष्ट कर दिए, जो काम एक नया पांच मिनिट में कर सकते हैं। आप ने बीस साल निर्भर बेसहारा गरिबों की सेवा में लगा सकते थे। या अपने ज्ञान और शक्ति का प्रयोग देश और देशवासियों की सहायता में लगा सकते थे। परंतु आपने अपने बीस सालों शक्ति पांच मिनिट बचाने के लिए ज्वर कर दिए, ने कष्टें बुद्धिमत्ती नहीं है।

साधु फिर लुहाकर खड़े रह गये और स्वामी जी नाव में बैठ कर नदी के दूसरी किनारे चले गए।

कहानी से सीख

इस प्रकार इस कहानी ने हमें साक्षात् कि ज्ञान और शक्ति का सही प्रयोग आवश्यक है। किन्हीं शक्तियों को प्राप्त कर के यदि हम उस पर घमंड करते हैं तो वह भ्रमपूर्ण है। शक्ति का सही प्रयोग पर सही दिशादर्शन करना ही वास्तविकता में बुद्धिमत्ती है।

स्वामी जी भारत वापस आकर अपने स्थापन अनुसार धर्मण कर रहे थे। इस समय वे सिंगापूर और हरेक आसपास के क्षेत्रों में थे। एक दिन वो घूमते घूमते एक नदी के किनारे आ गये। वहाँ उन्होंने देखा कि एक नाव है पर वह अतिशय छोटा चुके है। तब वे नाव के वापस आने के इंतजार में वहीं किनारे पर बैठ गए।

एक साधु वहाँ से गुजर रहा था। साधु ने स्वामी जी को जला अतिशय भीत देखा तो वह स्वामी जी के पास गया और उनसे पूछा, तुम यहां क्यों बैठे हुए हो?

स्वामी जी ने जवाब दिया, मैं यहां नाव का इंतजार कर रहा हूँ।

साधु ने फिर पूछा, तुम्हारा नाम क्या है?

स्वामी जी ने कहा, मैं विवेकानंद हूँ।

साधु ने स्वामी जी का चमत्कार उद्घोषित हुए उनको कहा, अस्सी! तो तुम वो निष्ठावान विवेकानंद हो जिसको सत्रह है कि विदेशों में जा कर भाषण दे करे तो तुम बहुत बड़े महात्मा साधु बन सकते हो।

स्वामी जी ने साधु को कहां जगह नहीं

दिया। फिर साधु ने बहुत ही घमंड के साथ, नदी के चोने के ऊपर चल कर अपनी शक्ति का प्रदर्शन किया।

कुछ दूर तक चलने के बाद साधु ने स्वामी जी को कहा, क्या तुम मेरी तरफ जानी पर चलना कर रहे नदी को पार कर सकते हो?

स्वामी जी ने बहुत ही आदर और विनम्रता के साथ साधु से कहा, इस बात में कष्ट क्या नहीं कि आपको यह बहुत ही अद्भुत शक्ति है। लेकिन क्या आप मुझे यह बात बताओ, कि आपको यह असाधारण शक्ति प्राप्त करने में किस समय लगा। बहुत ही अभिनव के साथ साधु ने जवाब दिया, वह बहुत ही

मुल्ला नसरुद्दीन की दावत

एक बार मुल्ला नसरुद्दीन को घास के शहर से दावत का न्योता मिला। इस दावत में उन्हें खास मेहमान के तौर पर बुलाया गया था। मुल्ला वैसे भी खाने-पीने के शौकीन इंसान थे। इसलिए, बिना सोचे समझे न्योता स्वीकार कर लिया। मुल्ला ने रोज पहनने वाले कपड़े पहने और दावत के लिए घर से निकल गए। सफ़र के दौरान उनके कपड़े धूल-मिट्टी से गंदे हो गए।



जब वे दावत के लिए पहुंचे तो घर के बाहर घास दे रहे दरवान ने उन्हें अंदर जाने से रोक दिया। उन्होंने दरवान से कहा, 'मैं मुल्ला नसरुद्दीन हूँ। मैं इस दावत का खास मेहमान हूँ।' दरवान ने हंसेंसे हुए कहा, 'तो तो दिखाइए दे दा है।' फिर दरवान ने बीर से मुल्ला के कपड़ों में कहा, 'अगर तुम दावत के लिए आएर तुम्हारे नसरुद्दीन हो, तो मैं खतरनाक हूँ।' यह सुनकर उनके कपड़े खड़े अलग दरवान से चोरे-चोरे से हटने लगे। फिर दरवान ने उन्हें बाहर से जाने के लिए कहा और उन्होंने अपने से अंदर कर दिया। मुल्ला नसरुद्दीन कुछ सोचते हुए वहाँ से चले

गए। जिस शहर में दावत थी, उसी के पास मुल्ला का एक मित्र रहा करता था। वह अपने मित्र के घर चले गए। मुल्ला नसरुद्दीन अपने मित्र से मिलकर खुश हुए। सोचें देर बाद उन्होंने वहीं बाते अपने मित्र को बताईं। फिर उन्हें यह आया कि उनके मित्र ने उनके लिए एक साल काईनाईन रोखने की सलाह दी थी, जो उनके मित्र के पास ही रह गई थी। मुल्ला ने अपने मित्र से पूछा कि क्या वह रोखने की अपेक्षा भी आपके मित्र है?

उन्होंने मित्र से कहा, 'रोखने की अपेक्षा भी अपेक्षा की अपेक्षा है। मुल्ला शहरवाले घर चले गए।' मित्र ने रोखने की मुल्ला नसरुद्दीन को दे दी। मुल्ला ने

मित्र का सुझाव किन्हा और कुछ देर बाद रोखने की पहचान दावत के लिए निकल गए।

इस बार जब दावतवाजे पर पहुंचे, तो दरवान ने उन्हें सलाम किया और वाबजत दावतखाने तक ले गया। दावत में अनेक तरह के फनकारन भरे थे, जिन्होंने खुरमू हट ताफत फेरा रही थी। मुल्ला के रक्तान में बड़े-बड़े लोग खड़े थे। फिर मुल्ला को खास मेहमान की फुरती पर बैठाना गया। उनके बैठने के बाद ही बाबरी सचो मेहमान बैठे।

स्वामी को नजर मुल्ला पर ही थी। मुल्ला को खाने में सबसे पहले रोखकर परोसा गया। मुल्ला ने रोखकर उठाना और अपनी रोखने पर उठना दिया। यह देख सब हैरान रह गए। एक ने उन्हें पूछा, 'आपकी तबियत तो ठीक है न?'

जब सस ने खोलना कर दिख वह मुल्ला ने अपनी रोखने से कहा, 'उम्मीद है कि तुम्हें रोखने की पहचान लगा होगा। अब तुम्हें समझ में आ गया होगा कि दावत पर मुझे नाने, बर्निक तुम्हें बुलवाना गया था।'

कहानी से सीख

इस कहानी से यह सीख मिलती है कि किसी की पहचान उसके पहचानने से नहीं करनी चाहिए।

Highlights

1. *Biden shares pic with PM Modi after his arrival in Delhi*
2. *Finance Minister Sitharaman meets US Treasury Secy Janet Yellen*
3. *Assam Cabinet recommends Centre to withdraw Disturbed Areas Act, AFSPA from entire state*
4. *I've enormous respect for Modi ji, he has been kind to me: UK PM*
5. *Top Lashkar-e-Taiba terrorist Abu Qasim, who was wanted in India, shot dead*

Adani, Ambani invited to G20 dinner? Govt agency clarifies on business leaders' invitations

NEW DEHI, (Agency). No business leaders have been extended invitations to the G20 India dinner set to take place at Bharat Mandapam on Saturday, according to PIB Fact Check, the central government's agency responsible for debunking fake news and misinformation.

Some media reports had suggested that the dinner would serve as an occasion to assemble India's prominent figures during the leaders' summit, with purported invitations extended to around 500 business magnates, including notable figures such as Gautam Adani from the Adani Group, Mukesh Ambani of Reliance Industries, N Chandrasekaran, chairman of Tata Sons, billionaire Kumar Mangalam Birla, and Sunil Mittal, founder-chairman of Bharti Airtel.

"Media reports based on an article by Reuters have claimed that prominent business leaders have been invited to G20 India Special Dinner being hosted at Bharat



Mandapam on 9th Sep. This claim is misleading. No business leaders have been invited to the dinner," in a social media post shared on Friday," the Press Information Bureau's fact check unit said in a statement.

The national capital welcomed foreign delegates and leaders from around the world for the two-day G20 Summit, held at the International Exhibition-Cum-Convention Centre complex in the Pragati Maidan area. Prime Minister Narendra Modi arrived at the complex early Saturday morning to receive the world leaders.

Following the first day of the summit, President Droupadi Murmu is scheduled to host a grand dinner at Bharat Mandapam. The event will be attended by world leaders such as US President Joe Biden, German Chancellor Olaf Scholz, French President Emmanuel Macron, British Prime Minister Rishi Sunak, Saudi Arabia's Mohammed Bin Salman, and Japan's Fumio Kishida, among others. In addition to foreign delegates, invitations have been extended to cabinet ministers, state chief ministers, and former prime ministers, among other guests.

Coffee Day says plea filed against firm for insolvency proceedings by IDBI Trusteeship before NCLT

NEW DEHI, (Agency). Coffee Day Enterprises Ltd, the company which operates Cafe Coffee Day outlets, said on Friday that the IDBI Trusteeship Services had filed an application before the National Company Law Tribunal (NCLT) for insolvency proceedings.

The application filed by IDBI Trusteeship Services has been filed under Section 7 of the Insolvency and Bankruptcy Code, 2016 before the NCLT in connection with alleged dues of over ₹228 crore.

The company in its letter to the



National Stock Exchange and Bombay Stock Exchange said it is seeking 'appropriate legal advice' and will take all appropriate steps to protect its interest.

This comes nearly a month after the National Company Law Appellate Tribunal (NCLAT) had stayed an order of

the NCLT that had directed initiation of insolvency proceedings against the firm. The two-member tribunal had issued notices to the Interim Resolution professional and its financial creditor Indusind Bank and stayed the operations of the order passed by the Bengaluru Bench of the NCLT, PTI reported. The NCLAT said it has "found that there are arguable points involved in this appeal, therefore, we issue a formal notice to the Respondents who are already on caveat, enabling it to file its reply."

Andhra Pradesh

जानिए क्या है कौशल विकास घोटाला, जिसमें पूर्व सीएम चंद्रबाबू नायडू हुए गिरफ्तार

इंदौरबाद, (एजेंसी) तेलंगु देसम पार्टी के अध्यक्ष जेपी आंध्र प्रदेश के पूर्व सीएम राम चंद्रबाबू नायडू को से.आई.टी द्वारा कौशल विकास घोटाले के मामले में गिरफ्तार किया गया है। यह गिरफ्तारी शनिवार सुबह १० बजे हुई। कौशल विकास घोटाला 350 करोड़ रुपये का है और इस मामले में चंद्रबाबू नायडू के खिलाफ साल 2021 में एकआईआर दायर की गई थी। सी.आई.टी की धारा 50(1)

(2) के तहत चंद्रबाबू नायडू की गिरफ्तारी की गई है। आंध्र प्रदेश में चंद्रबाबू नायडू की सरकार में पदाधिकारी को कौशल विकास प्रशिक्षण देने के लिए योजना की शुरूआत की गई थी। इस योजना के इंतजार में इनके आपसगत के इलाकों में रिजल पार्टी उदयोर्गों में काम करने के लिए युवाओं को जगदी कौशल विकास प्रशिक्षण दिया जा रहा। सरकार ने योजना के तहत इसकी जिम्मेदारी एक कंपनी Siemens को दी थी। योजना के तहत इस



कलस्टर्न बनाए गए और इन पर कुल 3300 करोड़ रुपये खर्च होने थे। जिसमें हर कलस्टर्न पर 560

करोड़ रुपये खर्च होने थे। तककालियु नायडू की सरकार ने कैबिनेट में बकाया कि

योजना के तहत राम सरकार कुल खर्च का 10 प्रीशेंट यानी कि 370 करोड़ रुपये खर्च करेगी। वहीं बाकी का 90 प्रीशेंट चर्च कौशल विकास प्रशिक्षण देने वाली कंपनी सीएमएस द्वारा किया जाएगा। आरोप है कि चंद्रबाबू नायडू की सरकार ने योजना के तहत खर्च किए जाने वाले 371 करोड़ रुपये नील कंपनियों को ट्रांसफर कर दिए। पूर्व सीएम पर ये भी आरोप है कि शेष कैबिनेट बनाकर उन्हें पैसो ट्रांसफर करने से रोकथाम दस्तावेज भी पट्ट कर दिए गए।

आंध्र प्रदेश के कौशल विकास घोटाले को जांच ईटी द्वारा भी की जा रही है। कुछ बड़े वाले ईटी के इन घोटाले की जांचे की तहत डिजाइनेटड निरस्तरम् प्रोसेडर लिमिटेड की 31 करोड़ रुपये कीमत की संपत्ति भी अट्रेच करेगी थी। आरोप है कि एटी कंपनी के जॉइर सरकारी योजना का पैसा शेष कंपनियों को ट्रांसफर किया गया। साथ ही पैसा इन्वॉइस के माध्यम से भी भेजा गया है। ईटी निवेदन लॉडिंग के लिए से मामले को जांच कर रही है।

Bihar

नीतीश कुमार के खिलाफ मुजफ्फरपुर कोर्ट में केस, 243 लोगों की गैर इरादतन हत्या का आरोप

मुजफ्फरपुर, (एजेंसी) बिहार के मुजफ्फरपुर में नीतीश कुमार को पुलिसकेंद्र में उकसाते हुए मारने की धमकी दी गई है। मुजफ्फरपुर में 243 लोगों की गैर इरादतन हत्या का आरोप है। इस केस में सीएम नीतीश के अत्याचार उद्भव विभाग के बंद अधिकारियों को भी आरोपी बनाया जा रहा है। सभी पर 243 लोगों की गैर इरादतन हत्या का आरोप है। मुजफ्फरपुर कोर्ट 16 सितंबर को इस मामले की सुनवाई करेगा। बकीरपुर पुलिस थाने में अदालत में सीएम नीतीश एवं अन्य के खिलाफ बयान दर्ज किया है। उन्होंने सुनने के अधिकार (आर्टीकल 22)

कायदा के तहत राम में जहादीत राय से मरने वाली का ओकेडा मंगा था। सरकार ने आर्टीकल के जवाब में बकाया कि विचार में रायबंदी कराने लागू होने के बाद अब तक 243 लोगों की हत्या की जा रही है। जहादीत राय के सेबन से हुई है। कलस्टर्न ने इनके आधार पर मुजफ्फरपुर कोर्ट में आरोपी की धारा 304, 120b और 34 के तहत धाराएं दायर किया। इसमें उन्होंने मुजफ्फरपुर नीतीश कुमार, हरमद अलगाव विनोद सिंह मुजलम स्लेट जटेल के सभी उदात्त अभिनेकों को आरोपी बनाकर उन्हें 243 लोगों की मौत का जिम्मेदार ठहराया है।

Uttarpradesh

शाप शूटर हायर कर सास ने कर्वा दी बहू की हत्या, पूछताछ में पुलिस को बताई ये वजह

नोएडा, (एजेंसी) उत्तर प्रदेश के नोएडा में एक महिला ने दो शूटर हायर कर अपनी बहू की हत्या करवा दी। पुलिस ने जब हाथों का पराजना के अंगठम देने वाले आरोपियों को पकड़कर पूछताछ की, तब इस बात का खुलासा हुआ। पुलिस ने हत्या के आरोपों के साथ मुजलम की सास को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस का कहना है कि सास ने बहू की हत्या के लिए एक लख रुपये की बुधारी दी थी। दरभंगा, मुजफ्फरपुर से बिहार को रहने वाली 27 वर्षीय सौमि डेवर नोएडा के बस बालपुर क्षेत्र के छपरौल गांव में अपने पति के साथ रहती थीं। सास ने पहले पति को जोड़कर शारीर दी थी, 5 सितंबर को दोपहर दो बजे सास बचकर सासने के घर पहुंचे और घर में बालकर सासने पर लकड़हक गोलीबारी चल दी। इसमें सासने की मौत पर भी मौत हो गई।

Rajasthan

शादी के पंद्रह साल बाद भी नहीं हुआ बच्चा, पति ने पीट-पीटकर कर दी पत्नी की हत्या

भीलवाड़ा, (एजेंसी) राजस्थान के भीलवाड़ा में पति ने अपनी पत्नी को पीट-पीटकर कर हत्या कर दी थी। सहायता वाली महिला को सहाय्य नहीं बचाकर अंतिम संस्कार करने रमरामर घट पहुंच गए थे। इसी बीच किसी ने घटना की जानकारी पुलिस को दे दी। चौके पर पहुंची पुलिस ने रात को पतिग से उदात्त कर अपने कठोरे में से लिखा और पीटपटपट के लिए भेजा दिया। साथ ही पुलिस ने इस मामले में एकआईआर भी दर्ज की है।

मामला मामला बहन क्षेत्र का है, मांडल पुलिस चौकी प्रभारी विजय आर्जे ने बताया कि आदिवासी समाज में भोजी की बहू में रहने वाली 35 साल की महिला को उसके पति प्रनु ने रात में लोहे हुए रमरामर घट पहुंच गए थे।

खेल

US Open 2023: रोहन बोपन्ना ने रचा इतिहास

ग्रेंड स्लैम फाइनल में पहुंचने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बने

न्यूयॉर्क (अमेरिका), (एजेंसी) भारत के अनुभवी टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना ने यूएस ओपन में इतिहास रच दिया है। बोपन्ना ने अपने ऑस्ट्रेलियाई जोड़ितार मधु एडवैन के साथ मिश्रकर पुरुष युगल के फाइनल में जगह बना लिया। दोनों ने गुजरात को न्यूयॉर्क में पिचर-बुजूम हबर्ट और निकोलेस माहूट की कांसिमी जोड़ी पर 7-6(7-3), 6-2 से जीत हासिल की। बोपन्ना का किसी ग्रेंड स्लैम पुरुष युगल स्पर्धा में इस साल यह दूसरा फाइनल होगा। वहीं करीनाला प्राण डेवो-ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी विजयान्त के फाइनल में भी अपना धरार बनाकर किया था। इतिहास, इस तरह का सामना करने पड़ा था।



बोपन्ना ने फाइनल में पहुंचकर बड़ा रिकार्ड हासिल करने का सपना देखा। वह डेड स्लेम के ओपन ररा (1968 से) में किसी फाइनल में पहुंचने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए। उन्होंने फाइनल के डेवियन नेटनर का रिकार्ड तोड़ा। बोपन्ना 45 साल उम्र पहुंचे की आयु में फाइनल तक पहुंचे हैं। वहीं, नेटनर ने 43

43 साल चार महीने की आयु में यह उपलब्धि हासिल की थी।

13 साल बाद यूएस ओपन के फाइनल में बोपन्ना

बोपन्ना 2010 के बाद यूएस ओपन में पुरुष युगल स्पर्धा के फाइनल तक पहुंचे हैं। निरुले बार उन्होंने अपने पाल्किसानी जोड़ितार एलसम उल हक कुरोसी के साथ मिश्रकर यह उपलब्धि हासिल की थी। फाइनल में इस बार बोपन्ना और एडवैन का युगलम अमेरिकी जोड़ितार वल्लो राम और जेडी सौरिस्वरी से होगा।



रिश्ता

अक्षय कुमार ने जन्मदिन पर बेटे, बहन और भांजी के साथ किए महाकाण्ड दर्शन, शिखर धवन ने भी लिया आशीर्वाद



बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार आज अपने 56वें जन्मदिन मना रहे हैं। बर्थडे के खास मौके पर अक्षय कुमार, उज्ज्वे के श्री महाकालेश्वर मंदिर पहुंचे। इस दौरान उनके साथ उनके बेटे आर्य, बहन अक्षय हीरानंदी और भांजी रिमिम ने भी महाकाल के दर्शन किए। अक्षय कुमार ने महाकाल के दर्शन किए। अक्षय कुमार ने महाकाल के दर्शन किए का पूरा निवेदन ही प्रकट कर दिया था। अन्य आरतों के दौरान अक्षय कुमार ने अपना बोलबाला बतवा था जो उनके भाई भी नोडवॉलर रखीं बतवा कर काटती हैं। अक्षय कुमार ने दोहन ही 'नोड वॉल' में कैटर कर दिया ने प्रभावित शिखर का जार किया।

कुमार महाकाल का आशीर्वाद लेने पहुंचे। इस दौरान उनके साथ उनके बेटे आर्य बहन अक्षय और भांजी रिमिम पहुंची थीं अक्षय कुमार ने 2 बचे के करीब पहुंचे अक्षय कुमार मंडिर पहुंचे। इस दौरान भारतीय किनेटर शिखर धवन भी उनके साथ रहे। अक्षय कुमार ने अक्षय कुमार ने महाकाल के दर्शन किए का पूरा निवेदन ही प्रकट कर दिया था। अन्य आरतों के दौरान अक्षय कुमार ने अपना बोलबाला बतवा था जो उनके भाई भी नोडवॉलर रखीं बतवा कर काटती हैं। अक्षय कुमार ने दोहन ही 'नोड वॉल' में कैटर कर दिया ने प्रभावित शिखर का जार किया।

कोको गाँफ पल्लवी बार फाइनल में

अमेरिका की युवा टैलर कोको गाँफ ने चेक गणराज्य की कैथोलिन मुचोवो को हराकर अपने पहले यूएस ओपन महिला एकल फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। 19 वर्षीय गाँफ ने चेक खिलाड़ी पर 6-4, 7-5 से जीत हासिल की। गाँफ का पहिलका के फाइनल में दूसरी महिला प्रजल अर्जुन सवाकिका या समानत मैडिडन कोको से मुकाबला होगा।

